नाव चली

मेघा , चूजा ,मूस ,चूंटी औ गोबरौड़ा व्यवहारी रहे ,एक दिन चूजा कहिस “चलव हम सब जने घूमै चली औ दुनिया देखी .

चूंटी बोली “हाँ हाँ ,दुनिया बहुत बड़ी है ,हम सब जने नई नई चीज देखब .

सब जने चल परे .चलत चलत एक झील के किनारे अटे .अब हम पंचे आगे कैसे जाई ? गोबरौड़ा पूंछिस

मेघा बोला ,’’हम पयिर कै झील पार कै लेब’’

हम तौ तैरे नहीं जानित है ,हम का करी ?चूजा,मूस,चूंटी औ गोबरौड़ा कहिन

मेघा हँसय लाग .बोला ‘’टर्र ,टर्र,टर्र. तुमका तैरय नही आवत तौ तुम अपने अपने घरे लौट जाव ,यू कहिकै मेघा जोर जोर से हँसा औ पानी मा कूदि गवा .

बाकी चारव का या बात बहुत खराब लाग ,उई सब झील पार करय कै तरकीब सोंचय लाग .

आखिर मा एक उपाय सोंच लिहिन चारौ जने

मूस दौरि कै गवा औ अखरोट कै बोकला लै आवा ,चूजा एक पतवा उठाय लावा चूंटी एक सेंठा लै आई . गोबरौड़ा बड़ी देर के बाद आवा ,ऊ अपने साथे एक बड़ा कै तागा लै आवा चारव मिलि कै नाव बनावै लाग .उई सेंठा का अखरोट के बोकला माँ अरझाय दिहिन ,ऊमा तागा से पतवा पाल की तिना बाँध दिहिन ,थोरिन देर मा उनकी एक नाव बनि गै

चूंटी बोली “अब हम सब जने झील पार कर लेब .उइ सब आपन नाव पानी मा उतारिन औ ऊके उप्पर बैठिगे .मुसौना नाव चलावै लाग .धीरे धीरे उनकै नाव आगे की कैती जाय लाग ,सब जने का बहुत मजा आवा ..

चूहा –मूस **पत्ता** –पतवा

गुबरैला – गोबरौड़ा **चींटी** –चूंटी
देखेंगे –देखबै **सरकंडा** –सेंठा
पहुंचे – अटे **धागा** –तागा
फंसा दिया –अरझाय दिहिस
उतारा –उतारिन

अभ्यास

- सब व्यवहारी का सोंचिन ?
- मेघा का कहिस ?

- सब जने झील कैसे पार किहिन ?
- नाव बनावैं की खत्तिर मूस ,चूंटी,चूजा ,गोबरौड़ा कौन कौन चीज लैकै आयें ?
- इनके उलटे शब्द लिखौ --
- दूर .खराब ,आगे .हँसब ,आगे
- तुम पंचे कोनौ काम मिल जुल कै किहे हौ ?